पत्ता गोभी का
रोक सकते है

करें पत्ता गोभी की खेती, प्रति हेक्टेयर 50 टन पैदावार

डॉ अनिल कुमार सिंह
प्रधान वैज्ञानिक, केवीके सरैया

डॉ रजनीश सिंह
कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया

सविता कुमारी
कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया

किसान यदि पत्ता गोभी यानी बंद गोभी की खेती करना चाहते हैं, तो खेती की अन्य सभी तैयारियों के साथ कीट व रोग प्रबंधन के लिये विशेष रूप से उपाय कर लें. नकदी फसल की सब्जी की यह खेती बहुत लाभकारी है, लेकिन इसमें कीट व्याधियां इतनी अधिक लगती हैं कि उनके लिए हमेशा सतर्क रहना होता है. थोड़ी सी चूक पर फसल के खराब होने में देरी नहीं लगती है. पहाड़ी व मैदानी क्षेत्रों में होने वाली पत्ता गोभी का सबसे बड़ा लाभ यह है, कि बाजार में कीमत घटने के समय इसे खेत में रोक भी सकते हैं. महंगी होने पर काट कर बेच भी सकते हैं. पत्ता गोभी का सबसे अधिक उपयोग सब्जी बनाने में होता है. इसके अलावा सलाद, कढ़ी, अचार, स्ट्रीट फूड, पाव भाजी, व चाट बनाने के भी काम में लाया जाता है. पत्ता गोभी में एक से 8 प्रतिशत प्रोटीन, एक प्रतिशत वसा, चार से छह प्रतिशत कार्बोहाइड्रेटए कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन के साथ विटामिन ए व विटामिन बी1, विटामिन बी2 और विटामिन सी पाया जाता है. पत्ता गोभी पेट के रोगों के साथ डायबिटीज में लाभदायक होता है.

मिट्टी व जलवायु

पत्ता गोभी की खेती वैसे तो सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है, लेकिन जल निकास वाली दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है. पत्ता गोभी की खेती के लिये सामान्य जलवायु की जरूरत होती है. अधिक सर्दी और पाले से पत्ता ग़ोभी को नुकसान हो सकता है. गांठों के विकास के समय 20 डिग्री के आसपास तापमान होना चाहिये. वर्षा के समय तापमान घटने से पत्ता गोभी की गांठ अच्छी तरह से विकसित नहीं हो पाती है, और स्वाद भी खराब हो जाता है.

पत्ता गोभी की खेती कब करें

- गर्मी के लिए पत्ता गोभी की बुवाई नवंबर से जनवरी तक करें
- बरसात के लिए पत्ता गोभी की बुवाई मई से जुलाई तक करें
- गर्मी की फसल के लिए अगस्त, सितंबर के मध्य तक नर्सरी मे बीज की बुवाई कर देनी चाहिये
- बरसात की फसल अगेती फसल के लिए मार्च-अप्रैल में नर्सरी की तैयारी कर लेनी चाहिये
- पछेती किस्मों की फसल के लिए मई-जून में नर्सरी तैयार करनी चाहिए

खेत की तैयारी कैसे करें

जल निकासी वाले खेत में सबसे पहले हर आदि से खेत की मिट्टी को पलटवा दें, जिससे पूर्व की फसल के अवशेष और खर पतवार उसमें दब जाये और खेत को एक सप्ताह के लिए खुला छोड़ दें. इस बीच सिंचाई कर दें. जब दोबारा खर पतवार उगती दिखाई दे तो उसकी दो तीन बार गहरी जुताई कर देनी चाहिये व पाटा चला दें. इससे खेत की मिट्टी भुरभुरी हो जाती है.

पत्ता गोभी की नर्सरी प्रबंधन

बंदगोभी की एक एकड़ फसल लगाने के लिए नर्सरी का आकर इस तरह रखे - लम्बाई 3 से 6 मीटर और चौड़ाई 0.6 से 0.7 मीटर. ऊंचाई 0.1 से 0.15 मीटर. पत्ता गोभी की नर्सरी के लिए जरुरी पोषक तत्वों के लिए 5 किलो प्रति मीटर वर्ग के हिसाब से गोबर की खाद, 10 ग्राम प्रति मीटर वर्ग की दर कार्बोफुरान, 2.5 ग्राम कॉपर ऑक्सी क्लोराइड को 1 लीटर पानी में घोलकर नर्सरी के लिए बनाये गए बेड या प्रो ट्रे को उपचारित कर लें.

पत्ता गोभी के बीज की मात्रा

बिजाई के लिए 200-250 ग्राम प्रति एकड़ दर से बीज की आवश्यकता होती है. बिजाई से पहले बीज का उपचार जरूर कर लें. पत्ता गोभी के बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम, थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर से उपचारित कर लें

पत्ता गोभी की बुवाई का तरीका

पत्ता गोभी की बुवाई सीधे मशीन द्वारा खेत में कर सकते हैं. पौध से रोपाई के दौरान पौधे से पौधे की दूरी 30 से 45 सेमी और पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 से 60 सेमी होनी चाहिये. पौधे को 1.2 सेमी की गहराई पर लगायें

पत्ता गोभी की सिंचाई

पत्ता गोभी की रोपाई-बुवाई के तुरंत बाद सिंचाई करें. खेत में नमी बनाये रखने के लिए जलवायु के अनुसार सर्दियों में 10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें. अधिक पानी पानी से फूलों में दरारें पड़ जाती हैं. आवश्यकतानुसार खेत में नमी बनाये रखे.

खेती के लिए उर्वरक व खाद प्रबंधन

पत्ता गोभी की रोपाई-बुवाई से पहले 50 किलोग्राम डीएपी ; 50 किलोग्राम पोटाश, 25 किलोग्राम यूरिया, 5 किलोग्राम बायो जायम, 25 किलोग्राम कैल्शियम नाइट्रेट को प्रति एकड़ की दर से खेत में फैला दें.

- पत्ता गोभी की रोपाई/बुआई के 10-12 दिनों बाद 10 ग्राम एनपीके 19:19:19 को एक लीटर में घोलकर प्रति एकड़ की दर से फसल से छिड़काव करें.
- पत्ता गोभी रोपाई/बुआई के 25 से 30 दिन बाद 12:61:00 को 4 से 5 ग्राम, 20 मिली टाटा बहार और 1 ग्राम बोरोन को प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.

हानिकारक इल्लियों लूपर्स और कीट

01. आरा मक्खी	03. पत्ती भक्षक लटे	05. गोभी की तितली
02. फली बीटल	04. हीरक तितली	06. तंबाकू की इल्ली

फसल की कटाई

किसान भाइयों जब फसल तैयार हो जाये तब आपको फसल की कटाई यानी पत्ता गोभी की तुड़ाई बाजार भाव देख कर करें. अधिकांश किस्मों की फसलें 75 से 90 दिनों के भीतर तैयार हो जाती है. जबकि, कुछ ऐसी किस्में भी हैं, जिनकी फसल 55 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है. पत्ता गोभी के पूरा बड़ा होने पर ही उसकी कटाई करनी चाहिये. पत्ता गोभी अच्छी तरह कड़ा होने पर ही काटा जाना चाहिये. किसान भाइयों पत्ता गोभी की कटाई का समय ठंडा मौसम ही सबसे उपयुक्त होता है. इसको कटाई के बाद छाया या नमी वाली जगह में रखना चाहिये. जिससे काफी समय तक ताजा बना रहे. जब पत्ता गोभी कड़ा हो जाये और उसके पत्ते अलग अलग होने लगे तो तुरन्त काट लेना चाहिये.

- पत्ता गोभी की खेती के लिए 20-30 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उचित
- अगेती खेती के लिए बलुई दोमट मिट्टी अच्छी रहती हैं
- पत्ता गोभी की फसल के लिए भूमि का पीएचमान पांच से छह के बीच होना चाहिए
- पत्ता गोभी की फसल अधिक अम्लीय मिट्टी में वृद्धि नहीं करती हैं

पत्ता गोभी की प्रसिद्ध किस्में

पत्ता गोभी की किस्मों को उनके रंग, रूप और आकार के आधार पर बांटा गया है. आपके लिए हम पत्ता गोभी की कुछ के बारे में बताने जा रहे हैं लेकिन पत्ता गोभी की किस्मों का चयन आप अपने जलवायु और स्थान के अनुसार ही करें बंद गोभी की कुछ प्रसिद्ध वैरायटी की जानकारी निम्नलिखित हैं

- **अगेती फसल** - प्राइड आफ इंडिया, गोल्डन एकर, मीनाक्षी, पूसा मुक्ता
- **मध्यम फसल** - इसमे पूसा मुक्त और अर्ली ड्रमहेड
- **पछेती फसल** - मुक्ता, पूसा ड्रम हेड, लेट ड्रम हेड, डॉनस वाल हेड, पूसा हिट, टायड, गणेश गोल, रेड कैबेज, हरी रानी कोल और कोपेन हेगन

इन किस्मों के अतिरिक्त गुड्डी वाल 65, माडी क्रांति बीसी 90, इंदु एसएन 183 वैरायटी प्रमुख हैं